वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 60 बुधवार 5 अगस्त 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जनआंदोलन से जीतेंगे टीबी की जंग: भजनलाल

टीबी मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा राजस्थान: हैंड हेल्ड एक्स-रे और नाट मशीनों के नेटवर्क से गांव-गांव पहुंच रही अत्याधुनिक जांच सुविधा

14 जुलाई से संचालित अभियान में अब तक 85 लाख की स्क्रीनिंग

राज्य में 14 जुलाई से संचालित विशेष सक्रिय क्षय रोग खोज अभियान के अंतर्गत अब तक 85 लाख से अधिक नागरिकों की स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा चुकी है। उच्च जोखिम वाले समूहों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर आवश्यक जांच एवं उपचार से जोड़ा जा रहा है। इससे पहले टीबी मुक्त भारत अभियान -100 दिवसीय के दौरान 24 मार्च से 27 जुलाई तक प्रदेश में 38 लाख 23 हजार लोगों की स्क्रीनिंग, 34 लाख 37 हजार के चेस्ट एक्स-रे, 2 लाख 79 हजार की नाट जांचें कर 58 हजार 358 नए टीबी मरीजों की पहचान की गई। अभियान में 15,302 ऐसे रोगी टीबी से ग्रसित पाए गए, जिनमें टीबी के लक्षण असिम्प्टोमैटिक थे।

एआई आधारित तकनीक, सक्रिय रोगी खोज अभियान और जनभागीदारी से तेज हुई टीबी उन्मूलन की मुहिम

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान तकनीकी नवाचार, समयबद्ध उपचार और व्यापक जनभागीदारी से टीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, माइक्रोबायोलॉजिकल जांच नेटवर्क तथा समुदाय आधारित सक्रिय खोज अभियान को एकीकृत कर बहु-आयामी रणनीति लागू की है। इसके चलते प्रदेश में टीबी की शीघ्र पहचान, गुणवत्तापूर्ण जांच तथा उपचार तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार आया है। इससे टीबी के प्रत्येक संभावित मरीज की पहचान कर संक्रमण की श्रृंखला को समाप्त किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना कि टीबी मुक्त राजस्थान केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन के सहयोग से संचालित जनआंदोलन है। राजस्थान टीबी की जंग हर हाल में जीतेगा। सरकार प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को टीबी मुक्त बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक तकनीक, सुदृढ़ जांच व्यवस्था, व्यापक जनभागीदारी तथा स्वास्थ्य विभाग के सतत प्रयासों से राजस्थान शीघ्र ही टीबी मुक्त हो सकेगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेशभर में टीबी उन्मूलन की गतिविधियों को मिशन मोड में क्रियान्वित किया गया है। राज्य में वर्तमान में 137 हैंड हेल्ड डिजिटल एक्स-रे मशीनों के माध्यम से ग्राम पंचायत एवं प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थान स्तर तक विशेष स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन पोर्टेबल मशीनों के कारण दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में भी मौके पर ही चेस्ट एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध हो रही है, जिससे संभावित टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान संभव हो रही है। साथ ही, प्रदेश में 643 नाट मशीनों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है, जिससे संदिग्ध मरीजों की त्वरित एवं उच्च गुणवत्ता वाली माइक्रोबायोलॉजिकल जांच सुनिश्चित हो रही है। इससे टीबी की पुष्टि कम समय में संभव होने के साथ-साथ दवा ड्रग रेजिस्टेंट टीबी की पहचान भी तेजी से हो रही है और मरीजों का उपचार शीघ्र प्रारंभ किया जा रहा है। राज्य सरकार ने टीबी नियंत्रण कार्यक्रम में एआई आधारित तकनीक का भी प्रभावी उपयोग प्रारम्भ किया है। एआई द्वारा विकसित तीन प्रमुख समाधान, कफ अगेंस्ट टीबी, प्रेडिक्शन आफ एडवर्स टीबी आउटकम्स तथा वलनरेबिलिटी मैपिंग फॉर टीबी को चरणबद्ध रूप से कार्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। कफ अगेंस्ट टीबी तकनीक खांसी की ध्वनि और लक्षणों का विश्लेषण कर फेफड़ों की संभावित टीबी की प्रारंभिक पहचान में सहायता प्रदान करती है। प्रेडिक्शन ऑफ एडवर्स टीबी आउटकम्स तकनीक लाखों टीबी मरीजों के आंकड़ों का विश्लेषण कर उन मरीजों की पहचान करती है, जिनमें उपचार के दौरान जटिलताओं की संभावना अधिक होती है, जिससे उन्हें समय पर विशेष चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराई जा सके। वहीं वलनरेबिलिटी मैपिंग फॉर टीबी तकनीक निक्षय पोर्टल तथा विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य संकेतकों के आधार पर ऐसे क्षेत्रों की पहचान करती है जहां टीबी का जोखिम अधिक है, जिससे सक्रिय रोगी खोज अभियान को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

आर्यिका विभाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में चातुर्मास कलश स्थापना समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ, मानसरोवर में परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 श्री विभाश्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और धर्मसमर्पण के साथ संपन्न हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। प्रचार संयोजक जिनेश कुमार जैन ने बताया कि आयोजन का प्रमुख आकर्षण मुख्य (प्रथम) कलश एवं चार मंगल कलशों का पुण्यार्जन रहा। श्रीमती लीला देवी जैन, मुकेश जैन-अंजू जैन, चैतन्य-शांतम, चेताषा-कनिष्क जैन तथा नागेश्वरिया परिवार (निर्माण नगर) ने प्रथम कलश एवं चार मंगल कलशों का पुण्यार्जन कर धर्म प्रभावना में सहभागिता निभाई। उपस्थित समाज ने पुण्यार्जक परिवारों का अभिनंदन किया। समारोह में मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने भी स्वयं आगे बढ़कर कलश पुण्यार्जन में भागीदारी निभाई। समिति अध्यक्ष जे.के. जैन, उपाध्यक्ष लोकेश सोगानी, मंत्री ज्ञान बिलाला, कोषाध्यक्ष हेमेंद्र सेठी, संगठन मंत्री सुनील गंगवाल, उप संगठन मंत्री राजेंद्र सोनी, संरक्षक महावीर बाकलीवाल तथा कार्यकारिणी सदस्य सुनील गोधा, नवीन कुमार बाकलीवाल, पदमचंद जैन, सुधीर जैन बोहरा, ताराचंद वेद, राकेश चांदवाड, दिनेश जैन नगीना वाले और संतोष कासलीवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने धर्मकार्य में सहभागिता की। विशेष रूप से द्वितीय कलश का पुण्यार्जन सुनील गोधा-सुनीता गोधा तथा तृतीय कलश का पुण्यार्जन हेमेंद्र सेठी-कल्पना सेठी ने किया। समिति पदाधिकारियों एवं पुण्यार्जक परिवारों की पहल से प्रेरित होकर समाज के अनेक परिवार भी आगे आए और उत्साहपूर्वक कलश पुण्यार्जन का लाभ प्राप्त किया। इससे पूरे आयोजन में श्रद्धा और धर्मभक्ति का वातावरण बना रहा। आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति के बावजूद व्यवस्थाएं सुचारू रहीं। मंदिर समिति ने सहयोग के लिए पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन पर मंदिर समिति अध्यक्ष जे.के. जैन ने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी दानदाताओं, कलश पुण्यार्जक परिवारों, महिला मंडल, युवा शक्ति, गुरु भक्त परिवार, स्वयंसेवकों तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी सहयोगियों को बधाई एवं साधुवाद देते हुए आयोजन में मिले सहयोग के लिए अनुमोदना प्रेषित की।

अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की नई उड़ान, वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय की 17 छात्राएं एनसीसी में चयनित

ब्यावर. शाबाश इंडिया

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय, ब्यावर में 5 राज गर्ल्स बटालियन एनसीसी, उदयपुर की ओर से एनसीसी भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई। इसमें प्रथम वर्ष की बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अनुशासन, नेतृत्व एवं राष्ट्रसेवा से जुड़ने का जज्बा दिखाया। भर्ती प्रक्रिया गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर जीसीआई शालिनी सक्सेना के निर्देशन में संपन्न हुई। इस दौरान हवलदार हरीश कुमार एवं हवलदार मौर्य कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के साथ छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। एनसीसी भर्ती के तहत छात्राओं को विभिन्न चरणों की परीक्षा से गुजरना पड़ा। पहले शारीरिक दक्षता के लिए दौड़ के माध्यम से उनकी सहनशक्ति और फिटनेस का मूल्यांकन किया गया। इसके बाद आयोजित लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, एनसीसी के प्रति जागरूकता एवं बौद्धिक क्षमता को परखा गया। अंतिम चरण में व्यक्तिगत साक्षात्कार के जरिए अभ्यर्थियों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, संवाद कौशल और राष्ट्रसेवा के प्रति दृष्टिकोण का आकलन किया गया। सभी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 17 छात्राओं का एनसीसी कैडेट के रूप में चयन किया गया। चयनित छात्राओं ने शारीरिक क्षमता, मानसिक दक्षता, आत्मविश्वास एवं अनुशासन का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने कहा कि एनसीसी केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि छात्राओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने कहा कि समिति छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ ऐसी गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित करती है, जो उन्हें जिम्मेदार नागरिक और सक्षम नेतृत्वकर्ता बनने की प्रेरणा दें। महाविद्यालय परिवार ने चयनित छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे एनसीसी के माध्यम से महाविद्यालय का नाम राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगी तथा अनुशासन, सेवा और समर्पण की भावना के साथ समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

जैन समाज राघौगढ़ के शिष्टमंडल ने आचार्य समयसागर महाराज से लिया मंगल आशीर्वाद

नगर गौरव मुनि निर्लेपसागर महाराज से लिया मार्गदर्शन

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन आचार्य विद्यासागर महाराज के विशाल मुनि संघ के नवाचार्य समयसागर महाराज का चातुर्मास विद्योदय तीर्थ, हबीबगंज भोपाल में ससंघ चल रहा है। जैन समाज राघौगढ़ के शिष्टमंडल ने भोपाल पहुंचकर आचार्य समयसागर महाराज को श्रीफल भेंट किया और मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। शिष्टमंडल ने राघौगढ़ नगर में चातुर्मास के लिए मुनि श्रमणसागर महाराज एवं मुनि ओंकारसागर महाराज को भेजने और चातुर्मास का आदेश प्रदान करने के लिए आचार्यश्री के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान राघौगढ़ में मुनि संघ के पावन सानिध्य में चल रही विभिन्न धार्मिक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आगामी 9 अगस्त को आयोजित होने वाले मुनि संघ के चातुर्मास कलश स्थापना समारोह की तैयारियों से भी आचार्यश्री को अवगत कराकर आशीर्वाद लिया। आचार्य समयसागर महाराज ने आशीर्वचन में कहा कि चातुर्मास काल में संतों का समागम समाज के महान पुण्य का उदय है। समाज को इस अवधि में मुनिराजों के सानिध्य का अधिक से अधिक लाभ लेकर धर्माराधना करनी चाहिए। शिष्टमंडल ने राघौगढ़ नगर गौरव युवा मुनि निर्लेपसागर महाराज के दर्शन कर उनसे भी आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुनिश्री ने कहा कि चातुर्मास काल में समाज को संत सेवा के साथ अधिक से अधिक धर्मलाभ लेना चाहिए। हमारा सौभाग्य है कि हम आचार्य गुरुवर विद्यासागर महाराज के शिष्य एवं अनुयायी हैं और आज उनके विशाल संघ का संचालन नवाचार्य समयसागर महाराज कर रहे हैं। उन्होंने समाज से चातुर्मास को अविस्मरणीय बनाने और मुनि संघ के पावन सानिध्य में समाज के अधूरे कार्यों को पूर्ण करने का प्रयास करने का आह्वान किया। शिष्टमंडल में जैन समाज राघौगढ़ के अध्यक्ष सिंघई अशोक कुमार भारिल्य, मार्गदर्शक मंडल सदस्य विजय कुमार जैन पत्रकार, अरविंद कुमार जैन सेवानिवृत्त तहसीलदार, संतोष कुमार जैन, मंत्री अमित जैन रानू, सहकोषाध्यक्ष निखिल राजा चौधरी, ट्रस्ट कमेटी सदस्य प्रमोद कुमार जैन सेवानिवृत्त मंडी सचिव, संजीव कुमार जैन पप्पू, अशोक कुमार जैन भरसूला वाले, मनीष कुमार अन्ना चौधरी, राजीव कुमार जैन मोंटू और पंकज कुमार रावत सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

राजनीति

ट्रम्प का गाजा निरस्त्रीकरण का नवीनतम “ऐतिहासिक” समझौता

असद मिर्जा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा में हमास और अन्य सशस्त्र समूहों के पूर्ण निरस्त्रीकरण के लिए अपने बोर्ड ऑफ पीस द्वारा मध्यस्थता किए गए समझौते को ऐतिहासिक करार दिया है। इसे गाजा में स्थायी शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है, लेकिन इजरायल की आपत्तियों और हमास की शर्तों के कारण इसके वास्तविक क्रियान्वयन को लेकर कई सवाल अभी बाकी हैं। 30 जुलाई 2026 को ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर घोषणा की कि बोर्ड ऑफ पीस हमास और गाजा के अन्य सशस्त्र समूहों के पूर्ण निरस्त्रीकरण के समझौते पर पहुंच गया है। उन्होंने इसे स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। यह समझौता ट्रम्प की 20-सूत्रीय गाजा शांति योजना के क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। समझौते का उद्देश्य हमास के हथियारों को चरणबद्ध तरीके से हटाना, गाजा में नागरिक प्रशासन स्थापित करना और इजरायली सेनाओं की क्रमिक वापसी का रास्ता तैयार करना है। प्रस्ताव के अनुसार गाजा के प्रशासन की जिम्मेदारी फिलिस्तीनी तकनीकी विशेषज्ञों की समिति को सौंपी जानी है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए नए फिलिस्तीनी पुलिस बल के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता बल की भूमिका भी प्रस्तावित है लेकिन समझौते की घोषणा के साथ ही मतभेद सामने आने लगे। इजरायल की ओर से संकेत दिया गया कि प्रस्ताव उसकी पूर्ण विसैन्यीकरण संबंधी सुरक्षा अपेक्षाओं को पर्याप्त रूप से पूरा नहीं करता। इजरायल चाहता है कि हमास की सैन्य क्षमता पूरी तरह समाप्त हो और भविष्य में उसके दोबारा हथियारबंद होने की कोई गुंजाइश न रहे। हमास के लिए भी यह फैसला आसान नहीं है। संगठन की ओर से निरस्त्रीकरण की दिशा में सहमति के संकेत मिले हैं, लेकिन इसके साथ इजरायली सेना की वापसी और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था जैसी शर्तें जुड़ी हुई हैं। यही कारण है कि समझौते की घोषणा और जमीन पर उसके वास्तविक क्रियान्वयन के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। गाजा में इजरायली सेना की मौजूदगी भी विवाद का प्रमुख विषय है। प्रस्ताव में निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया के साथ इजरायली सेनाओं की चरणबद्ध वापसी की परिकल्पना की गई है। लेकिन वापसी की समयसीमा, क्षेत्र और सुरक्षा नियंत्रण को लेकर दोनों पक्षों के बीच भरोसे की भारी कमी है।

संपादकीय

उपचुनाव के नतीजे एक संकेत

गुजरात, बिहार और मध्य प्रदेश की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजों ने भारतीय राजनीति के लिए कुछ महत्वपूर्ण संकेत छोड़े हैं। भाजपा को दो सीटों पर झटका लगा, जबकि गुजरात में वह अपनी पकड़ बनाए रखने में सफल रही। बिहार के बांकीपुर में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने चुनावी पदार्पण जीत के साथ किया। मध्य प्रदेश के दतिया में कांग्रेस ने अपनी सीट बरकरार रखी, वहीं गुजरात के मंजलपुर में भाजपा ने निर्णायक जीत दर्ज की। बांकीपुर का परिणाम सबसे अधिक ध्यान खींचने वाला रहा। यह सीट तीन दशक से अधिक समय से भाजपा का मजबूत गढ़ मानी जाती रही है। 1995 से यहां लगातार भाजपा का कब्जा था। भाजपा नेता नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई इस सीट पर प्रशांत किशोर की जीत ने लंबे समय से चले आ रहे भाजपा के वर्चस्व को तोड़ दिया। यह जीत जन सुराज के लिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि पार्टी ने विधानसभा में अपना खाता खोला है और प्रशांत किशोर ने भी अपना पहला चुनाव जीत लिया। बांकीपुर का नतीजा बिहार की राजनीति में नए समीकरणों की संभावना पैदा करता है। लंबे समय तक विभिन्न राजनीतिक दलों के चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर अब स्वयं चुनावी मैदान में अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता साबित करने में सफल हुए हैं। उनका अभियान स्थानीय समस्याओं, शिक्षा, रोजगार, भ्रष्टाचार और बेहतर शासन जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहा। हालांकि एक सीट की जीत से जन सुराज को बिहार की बड़ी राजनीतिक शक्ति मान लेना जल्दबाजी होगी, लेकिन स्थापित दलों के लिए यह परिणाम निश्चित रूप से एक संकेत है। मध्य प्रदेश के दतिया में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से पराजित किया। यह सीट पहले भी कांग्रेस के पास थी। भाजपा ने इसे अपने खाते में लाने के लिए पूरी ताकत लगाई, लेकिन कांग्रेस सीट बचाने में सफल रही। मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के कारण यह परिणाम कांग्रेस का मनोबल बढ़ाने वाला है। हालांकि इसे पूरे प्रदेश में सरकार के खिलाफ जनादेश नहीं माना जा सकता, फिर भी स्थानीय स्तर पर भाजपा को अपनी रणनीति और संगठन की समीक्षा करनी होगी। गुजरात के वडोदरा जिले की मंजलपुर सीट पर भाजपा ने अपनी परंपरागत ताकत कायम रखी। भाजपा प्रत्याशी सतीश पटेल ने कांग्रेस के भीखाभाई रबारी को बड़े अंतर से पराजित किया। पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक योगेश पटेल के निधन के कारण खाली हुई इस सीट को बचाकर भाजपा ने साबित किया कि गुजरात में उसका संगठन और मतदाता आधार अब भी मजबूत है। उपचुनावों की प्रकृति आम चुनावों से कुछ अलग होती है। इनमें स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार की छवि, सामाजिक समीकरण और क्षेत्रीय परिस्थितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए तीन सीटों के परिणाम को राष्ट्रीय राजनीति का व्यापक जनादेश मानना उचित नहीं होगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सबसे बड़ी चेतावनी

कांतिलाल मांडोत

किसी भी माता-पिता के लिए अपने बच्चे का लापता हो जाना जीवन की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक है। जिस घर में बच्चे की हंसी गूंजती थी, वहां अचानक सन्नाटा छा जाता है। माता-पिता की रातों की नींद उड़ जाती है, हर दस्तक पर उम्मीद जागती है और हर फोन की घंटी दिल की धड़कन बढ़ा देती है। वर्षों बाद भी परिवार बच्चे के लौटने की आशा नहीं छोड़ता। यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि ऐसा मानसिक और भावनात्मक आघात है, जिसके साथ परिवार को जीवनभर जीना पड़ सकता है। राजधानी दिल्ली के दक्षिण-पश्चिमी जिले के आंकड़े इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। वर्ष 2026 के सात महीनों में 990 लोगों के लापता होने की शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 269 बच्चे शामिल थे। जुलाई में ही 43 बच्चों और 124 अन्य लोगों के लापता होने की शिकायतें पुलिस तक पहुंचीं। राहत की बात यह रही कि पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों, तकनीकी निगरानी, ऑपरेशन मिलाप और व्यापक खोज अभियान के माध्यम से इन सभी को खोजकर परिवारों से मिलाने में सफलता प्राप्त की। यह पुलिस की सक्रियता का सकारात्मक उदाहरण है, लेकिन आंकड़े समस्या की गंभीरता भी बताते हैं। बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी सुरक्षा केवल माता-पिता की नहीं, पूरे समाज और राष्ट्र की जिम्मेदारी है। आज अपराधी अधिक संगठित और तकनीकी रूप से सक्षम हैं। वे लालच, धोखे अथवा अपहरण के जरिए बच्चों को निशाना बना सकते हैं। कई मामलों में बच्चों के लापता होने के पीछे बाल तस्करी गिरोहों की भूमिका सामने आती रही है। ऐसे गिरोह बच्चों को भीख मंगवाने, जबरन मजदूरी और दूसरी शोषणकारी गतिविधियों में धकेल सकते हैं। हालांकि हर लापता बच्चे को बाल तस्करी से जोड़ना उचित नहीं है। कई बच्चे घर छोड़ देते हैं, रास्ता भटक जाते हैं, व्यक्तिगत-पारिवारिक परिस्थितियों के कारण लापता होते हैं। इसलिए प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है। इसके बावजूद बाल तस्करी एक वास्तविक और गंभीर अपराध है, जिसके प्रति प्रशासन और समाज को सतर्क रहना होगा। बच्चों से भीख मंगवाने वाले गिरोह मानवता पर कलंक हैं। वे मासूमों का बचपन, शिक्षा और भविष्य छीन लेते हैं। सड़कों, चौराहों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर संदिग्ध परिस्थितियों में भीख मांगते बच्चों को देखकर समाज को संवेदनशील रहना चाहिए। बाल तस्करी अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक फैला संगठित अपराध भी हो सकती है, इसलिए राज्यों और जांच एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। दिल्ली पुलिस का ऑपरेशन मिलाप इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सूचना मिलते ही सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल तकनीक, सोशल मीडिया, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और सार्वजनिक स्थानों की मदद से तलाश शुरू की जाती है। समय पर कार्रवाई और तकनीक का सही उपयोग कई परिवारों को बिखरने से बचा सकता है। समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। कोई बच्चा संदिग्ध परिस्थितियों में, डरा-सहमा या किसी के साथ जबरदस्ती जाते दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना देनी चाहिए। स्कूलों में बच्चों को सुरक्षा संबंधी शिक्षा और अजनबियों से सावधान रहने की जानकारी दी जानी चाहिए। माता-पिता को भी बच्चों से नियमित संवाद बनाए रखना चाहिए। सरकार को बाल तस्करी और अपहरण के मामलों में कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन, त्वरित जांच, राज्यों के बीच समन्वय और दोषियों को कठोर दंड सुनिश्चित करना चाहिए। मुक्त कराए गए बच्चों के पुनर्वास की मजबूत व्यवस्था भी जरूरी है।

झीलों की नगरी में सजेगा वेडिंग कारोबार का महाकुंभ

आज जुटेंगे 250 से अधिक प्रोफेशनल्स, इवेंट गुरु अरशद हुसैन बताएंगे सफलता के नए मंत्र

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शाही महलों, झीलों और भव्य विवाह समारोहों के लिए विश्वभर में पहचान बना चुके उदयपुर में बुधवार को वेडिंग एवं इवेंट इंडस्ट्री का एक बड़ा और आकर्षक समागम होने जा रहा है। बम्बूसा रिजॉर्ट एंड स्पा में 5 अगस्त को दोपहर 2.30 बजे से वीवा वेडिंग इंडस्ट्री एंड वेंडर्स अवार्ड आयोजित होगा। इसमें देशभर से वेडिंग और इवेंट सेक्टर से जुड़े 250 से अधिक प्रोफेशनल्स भाग लेंगे। समारोह में होटल, रिसॉर्ट, हॉस्पिटैलिटी, कैटरिंग, डेकोरेशन, फोटोग्राफी, एंटरटेनमेंट, ट्रैवल और इवेंट मैनेजमेंट से जुड़े विशेषज्ञ एक मंच पर जुटेंगे। वे बदलती पसंद, नए वेडिंग कॉन्सेप्ट, आधुनिक तकनीक, रचनात्मक प्रयोग, नेटवर्किंग और कारोबार विस्तार की संभावनाओं पर विचार साझा करेंगे। आयोजन का प्रमुख आकर्षण देश के प्रसिद्ध इवेंट विशेषज्ञ अरशद हुसैन का विशेष संबोधन रहेगा। फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स के पूर्व अध्यक्ष, आईडब्ल्यूटीसी के संस्थापक तथा इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर हुसैन इंडस्ट्री में सफलता, ब्रांड निर्माण और नए बिजनेस मॉडल के प्रभावी सूत्र बताएंगे। वे डेस्टिनेशन वेडिंग के बढ़ते बाजार, ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं पर भी अपने अनुभव साझा करेंगे। आयोजकों के अनुसार, उदयपुर अब केवल भव्य शादियों का पसंदीदा शहर नहीं, बल्कि वेडिंग बिजनेस और क्रिएटिव इवेंट्स का वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है। यह आयोजन उद्योग से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग बढ़ाने, नई साझेदारियां विकसित करने और उदयपुर की डेस्टिनेशन वेडिंग हब के रूप में प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई देने का माध्यम बनेगा।

रिपोर्ट/फोटो
राकेश शर्मा 'राजदीप'

आंगनवाड़ी के नन्हे-मुन्नों को मिली गणवेश, खिले बच्चों के चेहरे

शिक्षा के साथ संस्कारों की ओर बढ़ते कदम

अजमेर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल की अजमेर शाखा लायंस क्लब अजमेर आस्था की ओर से महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्र आम वाला कुआं, नसीराबाद रोड पर बच्चों को गणवेश वितरित की गई। केंद्र पर शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण करने आने वाले 15 बच्चों के साथ ही शिक्षा से वंचित ऐसे 8 अन्य बच्चों को भी गणवेश प्रदान की गई, जिन्हें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं। क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक एवं प्रांतीय सभापति मिशन मुस्कान लायन अतुल पाटनी के संयोजन में समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल एवं पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता देवी एवं सहायिका किरण मौर्य के माध्यम से बच्चों को गणवेश प्रदान की गई। कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी ने बताया कि नए वस्त्र पाकर बच्चे बेहद प्रसन्न नजर आए। उन्होंने कहा कि मिशन मुस्कान का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा, संस्कार और सहयोग से जोड़कर उनके जीवन में खुशियां लाना है। बच्चों के चेहरों पर खुशी देखकर अभिभावकों ने लायंस क्लब अजमेर आस्था एवं सेवा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन ने उत्साह और उमंग से मनाया सावन उत्सव

भक्ति, संगीत और सावन के झूलों के साथ किया पौधरोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन की ओर से दिल्ली बाईपास आमेर के खोर दरवाजे के पास स्थित ऐतिहासिक दिगम्बर जैन नसियां कीर्ति स्तम्भ में सावन उत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। मंत्री हीरा चन्द बैद ने बताया कि दोपहर 1 बजे सदस्यों ने मंदिर में भगवान विमलनाथ स्वामी एवं कीर्ति स्तम्भ के दर्शन कर अर्घ्य समर्पित किया और जयकारों के साथ भक्ति की। इसके बाद आयोजित साधारण सभा में बैद ने सभी का स्वागत किया। सरला संघी के मंगलाचरण से सभा की विधिवत शुरूआत हुई। अध्यक्ष धनु कुमार जैन की अनुमति से पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई तथा ग्रुप द्वारा पिछले महीनों में किए गए सेवा एवं अन्य कार्यों की जानकारी दी गई। इस दौरान सदस्यों के जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ पर माल्यार्पण कर बधाई दी गई। शशि जैन के निर्देशन में सरला संघी ने सावन पर आधारित रोचक हाऊजी खिलाई। संगीतज्ञ डॉ. अजित कुमार जैन ने बांसुरी पर पंख होते तो उड़ आती रे गीत की धुन प्रस्तुत की। सावन पर आधारित गीत गौरी म्हारी सावन आयो रे, आज सिजारों तीजां को मैं घेवर लायो रे की प्रस्तुति पर सदस्य झूम उठे। विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले सदस्यों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के निर्मल संघी, दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय के मंत्री महेश चन्द चांदवाड, ग्रुप निदेशक डॉ. विनोद शाह और कोषाध्यक्ष विनय कुमार छाबड़ा मंचासीन रहे। कार्यक्रम के बाद सदस्यों ने नसियां परिसर में शीशम, आंवला और नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। महिला एवं पुरुष सदस्यों ने नीम के वृक्षों पर लगाए गए सावन के झूलों का आनंद लिया। सांयकालीन भोजन के बाद बस संयोजक अनिल जैन के सानिध्य में सदस्य दिल्ली रोड स्थित अचरोल के आचार्य देशभूषण आश्रम पहुंचे। यहां श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर खण्डाका में दर्शन कर पंचपरमेष्ठी एवं भगवान पार्श्वनाथ की आरती की गई। जयपुर लौटते समय चलती बस में विशेष अनुरोध पर हीरा चन्द बैद ने तू परम रस पायेगा पारस भज ले, सच्चा सोना बन जायेगा पारस भज ले भजन प्रस्तुत किया। सदस्यों ने तालियों के साथ प्रस्तुति की सराहना की और इसी के साथ सावन उत्सव का उल्लासपूर्ण समापन हुआ।

देवताओं के लिए भी दुर्लभ है मनुष्य भव, धर्म का लक्ष्य पुण्य नहीं कर्मनिर्जरा: युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

तप आराधना में तपोमय हुआ भीलवाड़ा, 170 से अधिक तपस्वियों ने सिद्धीतप की आराधना में बढ़ाए कदम

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

धर्म का उद्देश्य केवल पुण्य अर्जित कर देवगति प्राप्त करना नहीं, बल्कि कर्मों की निर्जरा कर आत्मा को मुक्ति की दिशा में ले जाना है। मनुष्य भव, आर्य क्षेत्र और अच्छे कुल में जन्म की प्राप्ति अत्यंत दुर्लभ है। देवताओं के पास भौतिक सुख-सुविधाओं और वैभव की प्रचुरता होने के बावजूद वे भी मनुष्य भव की आकांक्षा रखते हैं, क्योंकि कर्मनिर्जरा और आत्मकल्याण का जो अवसर मनुष्य जीवन में उपलब्ध है, वह देवलोक में नहीं है। ये विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने शांतिभवन में आयोजित धर्मसभा में श्रद्धालुओं एवं सिद्धीतप की आराधना में संलग्न तपस्वियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। युवाचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य भव की सार्थकता केवल सुख-सुविधाओं में नहीं, बल्कि आत्मकल्याण के पुरुषार्थ में है। जैन दर्शन में तप और धर्म का मूल उद्देश्य न इस लोक की प्रतिष्ठा, न परलोक का सुख और न ही यश-कीर्ति की प्राप्ति है, बल्कि कर्मों की निर्जरा है। पुण्य के फलस्वरूप अनुकूलता और सुख मिल सकते हैं, लेकिन पुण्य भी जीव को संसार के चक्र से बाहर नहीं निकालता। मुक्ति का मार्ग कर्मनिर्जरा और आत्मपुरुषार्थ से ही प्रशस्त होता है। आर्य क्षेत्र की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल किसी भौगोलिक सीमा का नाम नहीं है। जहां धर्म को जानने, समझने और जीवन में उतारने का अनुकूल वातावरण हो, पाप से संकोच और धर्म के प्रति श्रद्धा हो, साधु-संतों का सान्निध्य सहज उपलब्ध हो तथा साधना करने वाले व्यक्ति को देखकर समाज का मन प्रसन्न हो, वही वास्तविक आर्य क्षेत्र है। केवल बड़े भवन और विशाल स्थानक बन जाने से कोई क्षेत्र आर्य नहीं बनता, वहां धर्म, साधना, संस्कार और आत्मजागरण का वातावरण भी होना चाहिए। युवाचार्यश्री ने कहा कि धर्म के प्रति हमारी समझ स्पष्ट होना आवश्यक है। जैन दर्शन में जीव और शरीर को भिन्न माना गया है। प्रत्येक जीव अपने कर्मों के अनुसार परिणाम भोगता है। इस सत्य को समझने पर व्यक्ति के भीतर अहिंसा, संयम और आत्मजवाबदेही की भावना जागती है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर होने वाली प्रत्येक क्रिया धर्म नहीं होती। धर्म वहां है, जहां अहिंसा, संयम और आत्मशुद्धि का भाव हो। तपस्या भी कर्मनिर्जरा की भावना से होनी चाहिए। धार्मिक क्रियाओं में केवल परंपराओं का पालन पर्याप्त नहीं, बल्कि उनके पीछे निहित दर्शन और उद्देश्य को भी समझना आवश्यक है। नई पीढ़ी को धार्मिक संस्कार देने का आह्वान करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि धर्म केवल कर्मकांड या पुण्य संचय का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मा को कर्मबंधन से मुक्त करने की साधना है। मनुष्य भव मिला है तो इसे केवल भोग में नहीं, आत्मपुरुषार्थ में लगाना चाहिए। दुर्लभ मनुष्य जीवन का मूल्य तभी है, जब इसका उपयोग आत्मजागरण और आत्मकल्याण के लिए किया जाए। अच्छे कुल में जन्म और उत्तम आचार को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि श्रेष्ठता केवल प्रतिष्ठित परिवार में जन्म लेने से नहीं आती। वास्तविक श्रेष्ठता वहां है, जहां धर्म के संस्कार मिलें, आचार-विचार शुद्ध हों तथा जीवन में संयम, सेवा, सदाचार और आत्मकल्याण की प्रेरणा मिले। उन्होंने कहा कि आज लोग बच्चों के लिए बड़े शहरों और विदेशों में अवसर तलाशते हैं, लेकिन आत्मकल्याण की दृष्टि से यह भी विचार करना चाहिए कि उन्हें ऐसा वातावरण कहां मिलेगा, जहां धर्म और संस्कार सहज रूप से जीवन का हिस्सा बनें। धार्मिक वातावरण मजबूत करने की जिम्मेदारी केवल साधु-संतों की नहीं, बल्कि समाज की भी है। कोई व्यक्ति धर्मसभा में आए, सामायिक करे, तप करे या साधना से जुड़े तो उसका उत्साह बढ़ाया जाना चाहिए। धर्मसभा में सिद्धीतप की आराधना में संलग्न तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि तप का संकल्प दृढ़ होना चाहिए। तपस्या केवल बाहरी अनुशासन नहीं, बल्कि कर्मनिर्जरा और आत्मशुद्धि का साधन है। उन्होंने सिद्धीतप के लाभार्थी सुशील कुमार-जितेश चपलोत परिवार की अनुमोदना करते हुए तपस्वियों को संकल्प पर अडिग रहकर आराधना में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। महासती प्रियदर्शना ने कहा कि चौरासी लाख योनियों में भ्रमण के बाद दुर्लभ मनुष्य भव की प्राप्ति होती है। मनुष्य जन्म के साथ प्राप्त पंचेंद्रियता भी सहज उपलब्धि नहीं है। इस दुर्लभ अवसर का सदुपयोग आत्मकल्याण और धर्मसाधना में करना चाहिए। श्रीसंघ शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि कई श्रावक-श्राविकाओं ने तपस्या का क्रम आगे बढ़ाते हुए 7, 6, 5, 4 एवं 3 उपवास आदि के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। आनंद सिद्धीतप की आराधना में 170 से अधिक तपस्वी भाई-बहनों ने विधिपूर्वक सामूहिक आयंबिल तप किया। उन्होंने बताया कि बुधवार से श्रमणसंघीय द्वितीय आचार्य आनंद ऋषिजी महाराज की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में नवदिवसीय कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। वहीं प्रातःकाल कर्मा क्लासेज में महावीर युवक मंडल के सदस्यों ने युवाचार्यश्री के सान्निध्य में कर्म के रहस्यों को सूक्ष्मता से समझा।

टाइम्स क्रिटिकल थिंकिंग चैंपियनशिप में पांचला खुर्द की 4 छात्राएं पुरस्कृत

जोधपुर. शाबाश इंडिया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पांचला खुर्द, ब्लॉक तिंवरी की 4 छात्राओं ने टाइम्स क्रिटिकल थिंकिंग चैंपियनशिप 2026 में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक सोच, तार्किक क्षमता और सीखने की प्रवृत्ति को विकसित करने का अवसर मिला। विद्यालय की पीईईओ आशा सोलंकी ने बताया कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप भारती एयरटेल फाउंडेशन की ओर से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा एवं क्षमताओं के विकास के लिए विभिन्न मंच उपलब्ध करवाए जाते हैं। इसी क्रम में आयोजित चैंपियनशिप में कक्षा 12 की छात्राओं बबिता, पद्मा, मंजू और हेमलता ने भाग लिया। चारों छात्राओं को उनके उत्साहवर्धन एवं मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से विद्यालय की प्रार्थना सभा में प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर शिक्षक मूला राम, ओम प्रकाश पालीवाल, प्रेमा राम, नाहिद परीजादा, सरिता शर्मा, सागरमल पुनिया, विद्या शर्मा, सुरजा राम, नन्द किशोर और शालिनी बोहरा ने छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वृहद वृक्षारोपण महाअभियान का आगाज, बच्चों को ग्रीन डायरी और पौधा बैंक से जोड़ने की पहल

भीनमाल (मुकेश सोलंकी). शाबाश इंडिया

पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन का रूप देने के उद्देश्य से शहर के नीमगोरिया क्षेत्रपाल मंदिर परिसर में वृहद वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारंभ किया गया। विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीमाली ने सपरिवार पौधरोपण कर अभियान का आगाज किया। कार्यक्रम में विफा जोन-1सी अध्यक्ष चिरंजीलाल दवे, जिलाध्यक्ष नेनसिंह राजपुरोहित, युवा जिलाध्यक्ष पवन दवे सहित क्षेत्रपाल मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष प्रेमाराम बंजारा, मनोज अग्रवाल और कालूराम परमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने श्रीमाली का स्वागत एवं अभिनंदन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमाली ने कहा कि पौधे हमारी आने वाली पीढ़ियों की सांसों का आधार हैं। इसलिए पौधरोपण के साथ उनका संरक्षण करना भी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में दिनेश दवे ने एक बालक-एक पौधा-एक वर्ष का मंत्र देते हुए बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने और पौधों की प्रगति दर्ज करने के लिए ग्रीन डायरी की अवधारणा प्रस्तुत की। वहीं स्काउट-गाइड सचिव डॉ. घनश्याम कुमार व्यास ने हरित पाठशाला तथा मेरा पौधा-मेरा प्रहरी अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ने का आह्वान किया। अभियान के तहत बाल नवाचार, साक्षरता और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ते हुए भविष्य में स्थानीय प्रजातियों के पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पौधा बैंक स्थापित करने की अभिनव अवधारणा भी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन एवं स्काउट-गाइड के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जीवन में संभलकर जिएं, अपने ही कभी अपनों का घात कर देते हैं : पट्टाचार्य विशुद्धसागर महाराज

फूल बनकर जीवन जिएं, शूल नहीं; राग और द्वेष दोनों ही अहितकारी

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

जीवन में संभलकर जीना चाहिए, क्योंकि कई बार अपने ही अपनों का घात कर देते हैं। जब व्यक्ति के राग की पुष्टि नहीं होती तो सगे-संबंधी भी शत्रु बन जाते हैं। जीवन में अशांति के लिए एक शत्रु भी बहुत होता है और कष्ट देने के लिए एक कांटा ही पर्याप्त है। इसलिए फूल बनकर जीवन जिएं, शूल बनकर नहीं। ये उद्गार ऋषभ विहार में विराजित दिगम्बर जैन पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। पट्टाचार्यश्री के परम भक्त वैभव जैन बड़ामलहरा ने बताया कि धर्मसभा में आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में दूसरों के लिए उपहार बनना सीखें, आफत नहीं। दूसरों के लिए उपयोगी और सहयोगी बनें। आपस में लड़ने के बजाय विकास के मार्ग पर आगे बढ़ें। सच्चा इंसान वही है, जो परोपकारपूर्ण जीवन जीता है। दान-पुण्य करें, लेकिन संग्रह कर परिग्रही बनने की प्रवृत्ति से बचें। जीवन की क्षणभंगुरता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन ओस की बूंद के समान क्षणभंगुर है। यौवन क्षणिक और देह नश्वर है। किसके जीवन में कब क्या हो जाए, यह कोई नहीं जानता। आयु पूर्ण होने पर कोई वैद्य, मंत्र-तंत्र या औषधि जीवन नहीं बचा सकती। इसलिए हर पल जागृति के साथ जिएं। जीवन का अंत निश्चित है, अतः 'जियो और जीने दो' की भावना अपनाएं। पट्टाचार्यश्री ने राग को अपराध और अशांति का कारण बताते हुए कहा कि राग ऐसी आग है, जो मनुष्य को भीतर तक झुलसा देती है। राग में अंधा व्यक्ति सही और गलत का विवेक खो देता है। धन, धरती, स्त्री, जाति, सम्प्रदाय और कुल के प्रति अत्यधिक राग खतरनाक हो सकता है। उन्होंने कहा कि जहां राग होगा, वहां द्वेष भी उत्पन्न होगा। न राग हितकारी है और न द्वेष। जीवन के वास्तविक कल्याण का मार्ग वीतराग भाव में ही निहित है।

रक्तवीर आशुतोष के 25वें जन्मदिन पर रक्तदान शिविर, 26 यूनिट रक्त संग्रहित

युवाओं ने रक्तदान कर दिया मानव सेवा का संदेश

बूंदी. शाबाश इंडिया। रक्तकोष फाउंडेशन जिला बूंदी एवं लक्ष्मण रेखा ट्रस्ट से जुड़े रक्तवीर आशुतोष मेघवाल के 25वें जन्मदिन पर 4 अगस्त को रामगंज बालाजी मंदिर परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कुल 26 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तकोष फाउंडेशन बूंदी के जिलाध्यक्ष एवं नर्सिंग ऑफिसर रामलक्ष्मण मीणा ने बताया कि रक्तदान शिविर की व्यवस्थाओं में रक्तवीर आशुतोष मेघवाल, जितेश मेघवाल, जिला प्रवक्ता रामलाल मीणा, जिला सचिव सीताराम मीणा, लोकेश मेघवाल, हिमांशु वैष्णव, सावन मेघवाल, अशोक मेघवाल और किशन मीणा सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर में रक्त संग्रह के लिए बूंदी ब्लड बैंक की टीम मौजूद रही, जिसने निर्धारित प्रक्रिया के तहत 26 यूनिट रक्त एकत्रित किया। इस अवसर पर आशुतोष मेघवाल ने लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि प्रत्येक स्वस्थ एवं पात्र व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। इससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के साथ ब्लड बैंक में रक्त की कमी को दूर करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से रक्तदान के लिए आगे आने और जन्मदिन जैसे अवसरों को मानव सेवा से जोड़ने का आह्वान किया।

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के अवतरण दिवस पर विज्ञा तीर्थ में पौधरोपण

अभिषेक-शांतिधारा के साथ मनाया 52वां अवतरण दिवस, महिलाओं ने लिया पौधों की सार-संभाल का संकल्प

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज भारत के तत्वावधान में पूज्य गुरु मां आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का 52वां अवतरण दिवस विज्ञा तीर्थ स्थल पर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धर्म प्रभावना महिला मंडल की महिलाओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रचार संयोजक संजू जौंला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के बीच मूलनायक भगवान शांतिनाथ का अभिषेक किया तथा विश्व शांति की कामना के साथ शांतिधारा की। इसके बाद महिला मंडल की ओर से आर्यिका विज्ञाश्री माताजी की पूजा-अर्चना की गई। अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में विज्ञा तीर्थ परिसर में महिलाओं ने विभिन्न प्रजातियों के 24 पौधे रोपे। साथ ही पौधों को नियमित पानी देने और उनकी सार-संभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अनिता छाबड़ा, शशि सोगानी, आशा जैन, कुसुम जौंला, सपना जैन, ज्योति छाबड़ा, संगीता जैन, प्रेमा कासलीवाल, उर्मिला सोगानी, बीना जैन, विनोद जौंला, त्रिलोक नला, अशोक रजवास, विमल जौंला, राकेश संधी, प्रिंस छाबड़ा, राजकुमार बिलाला, त्रिलोक रजवास, अजीत काला और संजय सोगानी सहित अनेक महिला-पुरुष श्रद्धालु एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

108 दिवसीय शांतिनाथ मंडल विधान में उमड़े श्रद्धालु, 120 श्रीफल किए समर्पित

संगीतमय भजनों पर झूमे इंद्र-इंद्राणियां, 17 अगस्त को विश्व शांति महायज्ञ के साथ होगा समापन

टोंक. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ बड़ा तख्ता जैन मंदिर में चल रहे 108 दिवसीय शांतिनाथ मंडल विधान में मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। इंद्र-इंद्राणियों ने भक्तिभाव से पूजा-अर्चना करते हुए मंडल पर 120 श्रीफल समर्पित कर पुण्यार्जन किया। पूजा-आराधना से पूर्व भगवान शांतिनाथ एवं भगवान पार्श्वनाथ के समक्ष रमेश चंद काला, पारसमल सर्राफ और धर्मचंद जैन ने दीप प्रज्वलित कर अनुष्ठान का शुभारंभ किया। विधान संयोजक पारस चंद सर्राफ एवं पवन कंटान ने बताया कि श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा की। इसके बाद शांतिनाथ मंडल विधान में इंद्र-इंद्राणियों ने भक्तिभाव से पूजा-अर्चना कर अर्घ्य समर्पित किए। कमल सर्राफ एवं विनोद सर्राफ ने बताया कि 108 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान 2 मई से प्रारंभ हुआ था और 17 अगस्त तक अनवरत चलेगा। विधान का सौभाग्य कमल कुमार-अंकित कुमार आंडरा तथा गम्भीर मल, पारसमल, सुरेश कुमार एवं हेमराज जैन नमक वालों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भजन गायक कमल सर्राफ, विनोद सर्राफ, विमल जौंला और अजीत काला ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों पर इंद्र-इंद्राणियों ने भक्ति नृत्य किया, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में अतिथि जैन समाज निवाई के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, पारसमल सर्राफ, विमल जौंला, सुरेश कुमार नमक, राकेश संधी, अजीत काला और त्रिलोक रजवास का बड़ा तख्ता जैन मंदिर एवं आयोजन समिति की ओर से स्वागत किया गया। शाम को आरती, प्रश्न मंच, स्वाध्याय एवं शास्त्र ज्ञान सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हुए। समाज प्रवक्ता पवन कंटान ने बताया कि इस अवसर पर रमेश चंद काला, आशीष, नीटू छामुनिया, अंकुर पाटनी, ओम ककोड़, भागचंद फूलता, अनिल सर्राफ, विकास-नीलम जैन सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। पारस सर्राफ ने बताया कि 108 दिवसीय शांतिनाथ मंडल विधान का समापन 17 अगस्त को विश्व शांति महायज्ञ एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ होगा।

दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल का 40 सदस्यीय दल गोलाकोट तीर्थयात्रा के लिए रवाना

झांसी, करगुआं, सोनागिरिजी और मुरैना सहित विभिन्न जैन तीर्थों के करेंगे दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान के तत्वावधान में करीब 40 श्रद्धालुओं का दल मंगलवार सुबह 6 बजे जयपुर से गोलाकोट तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुआ। महिला अंचल अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका ने बताया कि तीर्थयात्रा को लेकर सदस्यों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु झांसी, करगुआं, सोनागिरिजी और मुरैना सहित विभिन्न जैन तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे। प्रस्थान से पूर्व जयपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर महासमिति महिला अंचल की सचिव सुनीता गंगवाल, दिगंबर जैन महिला महासमिति निवाई की अध्यक्ष शशि महावीर जैन, कल्याण नगर इकाई अध्यक्ष अंजली राजेश जैन, राज रमेश चौधरी, सुनीता अजमेरा, महिमा नरेश जैन, सुमन जैन, बीना जैन, मुरलीपुरा इकाई की सचिव निशा जैन, इलाइची जैन, सविता जैन, सम्यक ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष महावीर बिंदायका, रमेश गंगवाल, टोंक संभाग अध्यक्ष नवीन मन्ना और पारस-ललिता सहित करीब 40 श्रद्धालु शामिल रहे। महासमिति पदाधिकारियों ने भगवान जिनेन्द्र से सभी यात्रियों की सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय तीर्थयात्रा की कामना की।

आत्मरक्षा के गुर सीखेंगे तो मुश्किल हालात में बढ़ेगा आत्मविश्वास

अग्रसेन पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय शिविर, बच्चों को सिखाई बचाव की तकनीकें

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेरी गेट स्थित श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं को सशक्त और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जयपुर पुलिस की कालिका गश्ती इकाई की महिला प्रशिक्षकों ने आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन कर बच्चों को मुश्किल परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने के गुर सिखाए। स्कूल प्रबंधन समिति के सचिव कमल नानूवाला ने बताया कि महिला प्रशिक्षकों ने बच्चों को अचानक होने वाले हमले से बचने तथा किसी व्यक्ति द्वारा जबरन हाथ या बैग पकड़ने की स्थिति में खुद को सुरक्षित छुड़ाने की तकनीकें सिखाईं। इसके साथ ही पेन, चाबी और स्कूल बैग जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं का आवश्यकता पड़ने पर आत्मरक्षा में उपयोग करने के तरीके भी बताए गए। प्रशिक्षकों ने विभिन्न परिस्थितियों का जीवंत प्रदर्शन कर हमलावर से स्वयं को सुरक्षित निकालने की तकनीक समझाई। बच्चों से इन तकनीकों का अभ्यास भी कराया गया, ताकि आपात स्थिति में वे घबराने के बजाय आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा कर सकें। शिविर में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सचिव कमल नानूवाला ने कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक बच्चे, विशेषकर बेटियों के लिए आत्मरक्षा के गुर सीखना बेहद जरूरी है। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ने के साथ मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित होती है। समापन पर प्राचार्या अभिलाषा शैली ने महिला प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

39 वर्ष की रेल सेवा के बाद सेवानिवृत्त नरेंद्र जैन नृपत्या का भव्य अभिनंदन

रेल कर्मचारियों के अधिकारों से लेकर सामाजिक सरोकारों तक सक्रिय रहे, विभिन्न संगठनों ने किया सम्मान

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

खंडेलवाल भवन में वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष, राजस्थान हिंद मजदूर सभा के प्रदेश सचिव एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी निदेशक नरेंद्र जैन नृपत्या के रेल सेवा से सेवानिवृत्त होने पर अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में स्थानीय नागरिकों के साथ दिल्ली, अहमदाबाद, कोटा, सवाई माधोपुर, भरतपुर, बयाना, जयपुर और हिंडौन सहित विभिन्न स्थानों से आए मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। नरेंद्र जैन का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया।

39 वर्ष की सेवा, कर्मचारियों के हितों के लिए संघर्ष

नरेंद्र जैन ने रेलवे में 39 वर्ष 3 माह तक सेवाएं दीं। वर्ष 1989 में वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन से जुड़ने के बाद सेवानिवृत्ति तक मंडल उपाध्यक्ष के रूप में रेल कर्मचारियों के अधिकारों के लिए सक्रिय रहे। हिंद मजदूर सभा से जुड़कर उन्होंने असंगठित क्षेत्र के पल्लेदार, रिक्शा चालक, भवन निर्माण, कृषि, घरेलू एवं खान श्रमिकों को संगठित करने और उनके कल्याण से जुड़े मुद्दों को उठाने में भूमिका निभाई।

सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में भी योगदान

गंगापुर सिटी के दिगंबर जैन समाज में भी जैन लंबे समय से सक्रिय हैं। करीब 18 वर्ष पूर्व उन्होंने दिगंबर जैन सोशल ग्रुप की स्थापना कर युवाओं को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ा। ग्रुप के माध्यम से निशुल्क जल सेवा, योग एवं रक्तदान शिविर और पक्षियों के लिए चुग्गे की व्यवस्था सहित विभिन्न सेवा कार्य किए जा रहे हैं। श्री महावीरजी रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन के बाहर सर्कल में भगवान महावीर स्वामी की 1400 किलो वजनी कांस्य प्रतिमा स्थापित करवाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके लिए उन्हें दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की ओर से स्टार ऑफ द ईयर 2026 तथा आर्यिका 105 विशुद्धमति माताजी एवं आर्यिका 105 विज्ञमति माताजी द्वारा जिन शासन प्रभावना सारथी अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि रहे मौजूद

समारोह में वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन के मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र मीणा, पी.एन. सारस्वत, श्रीप्रकाश शर्मा, हरिप्रसाद मीणा, राजूलाल गुर्जर, गजानन शर्मा, रघुराज सिंह, पूर्व सभापति शिवरतन अग्रवाल, भाजपा मंडल मंत्री मिथलेश व्यास, मनोज बंसल, अनिल दुबे, प्रवीण जैन गंगवाल, डॉ. मनोज जैन, महेश जैन, स्थानकवासी संघ अध्यक्ष राजीव पल्लीवाल, रीना पल्लीवाल, दिगंबर जैन महिला मंडल गंगापुर अध्यक्ष मोनिका जैन, डॉ. सतवीर सिंह डूडी, डॉ. मानव जैन,

डॉ. आई.पी. जैन, डॉ. सुलेखा जैन, सी.एल. सैनी, दीपक नरूका, बेयंत सिंह, विजय गोयल, दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष प्रभंजन गंगवाल और देवेंद्र जैन सहित विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक, शिक्षक एवं मजदूर संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नरेंद्र जैन एवं उनकी धर्मपत्नी का शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया तथा उनके सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इससे पूर्व सवाई माधोपुर में रेलवे विभाग, वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन कोटा मंडल तथा गंगापुर सिटी में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप की ओर से भी नरेंद्र जैन के सम्मान में अलग-अलग अभिनंदन समारोह आयोजित किए गए।

एमजीजीएस खोडन में प्राथमिक सहायता के लिए 25 आपातकालीन दवा किट वितरित

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर की पहल, शिक्षकों को दी उपयोग संबंधी जानकारी

गढ़ी परतापुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर की ओर से एमजीजीएस खोडन में हृदय संबंधी आपात स्थिति में प्राथमिक सहायता के उद्देश्य से 25 दवा किट वितरित की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रीतेश जे. शाह ने की। मुख्य अतिथि महावीर इंटरनेशनल के इंटरनेशनल डायरेक्टर नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल अजीत कोठिया तथा विशिष्ट अतिथि महावीर इंटरनेशनल बांसवाड़ा के महेश पंवार रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय की ओर से अतिथियों का उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य रीतेश जे. शाह ने अजीत कोठिया द्वारा पिछले 38 वर्षों में महावीर इंटरनेशनल एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से किए गए विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बैंकर, सामाजिक कार्यकर्ता एवं साहित्यकार के रूप में कोठिया के योगदान की सराहना की। अजीत कोठिया ने महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर की ओर से संचालित आपातकालीन दवा किट वितरण कार्यक्रम की जानकारी साझा की। उन्होंने शिक्षकों से जरूरत के समय किट उपलब्ध कराने और आपात स्थिति में यथाशीघ्र चिकित्सकीय सहायता लेने के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया। कार्यक्रम में रेणु देवड़ा, फूलचंद मीणा, देवीदयाल सिंह चौहान, विनोद भोई, हिमानी शाह, सम्यक पंचोरी, शिवराज सिंह, महेंद्र कुमार पाटीदार, रेणु गुप्ता, सोनल कलाल, शालीन भट्ट, शीतल पंड्या और रमिला देवी पाटीदार ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया, जबकि प्रधानाचार्य रीतेश जे. शाह ने आभार व्यक्त किया।

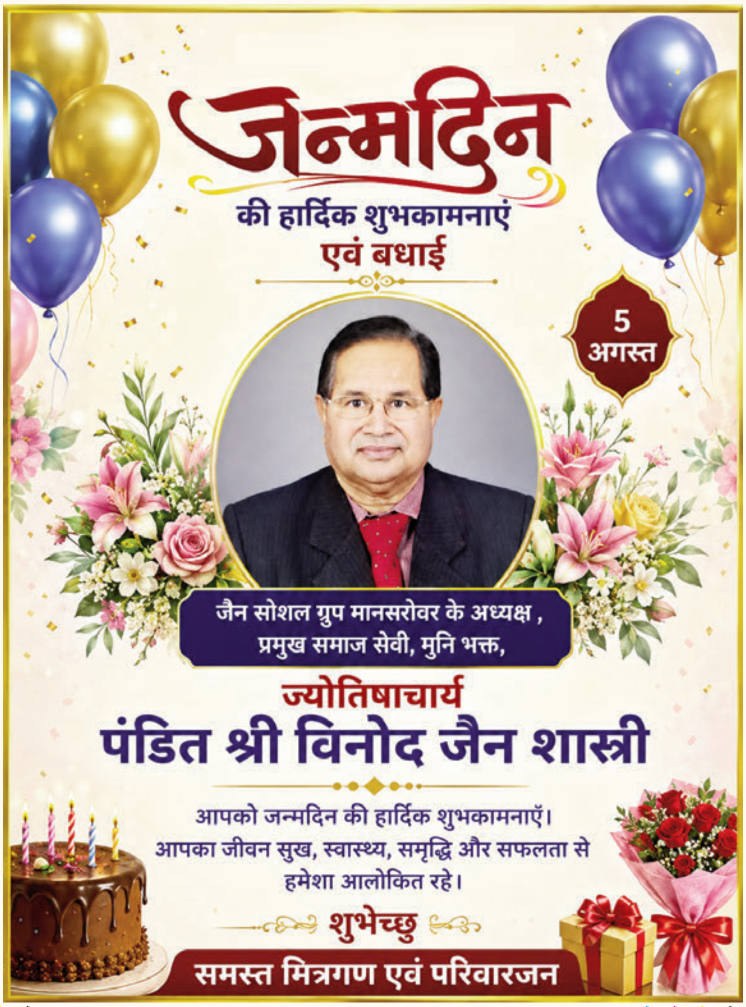

बाईस परीषहों को समभावपूर्वक सहन करना कर्म निर्जरा का श्रेष्ठ साधन : श्रमणाचार्य विमर्शसागर महाराज

विषम परिस्थितियों में धैर्य, संयम और आत्मचिंतन का करें अभ्यास

देहरा तिजारा, अलवर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, देहरा तिजारा में चल रहे पावन चातुर्मास के दौरान राष्ट्रयोगी श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर महामुनिराज ससंघ के मंगल प्रवचनों का लाभ लेने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मंदिर अध्यक्ष मुकेश जैन एवं प्रचार मंत्री उमंग जैन ने बताया कि आचार्यश्री ने धर्मसभा में कहा कि निर्ग्रंथ मुनियों का संपूर्ण जीवन कर्म निर्जरा की साधना के लिए समर्पित होता है। मुनिराज सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र से युक्त होकर प्रत्येक परिस्थिति में समता भाव बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि बाईस परीषहों को समभावपूर्वक सहन करना मुनियों की विशिष्ट साधना है। इससे कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मा शुद्धि की ओर अग्रसर होती है। आचार्यश्री ने कहा कि परीषह केवल मुनियों के जीवन में ही नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन में भी आते

हैं। अंतर इतना है कि गृहस्थ प्रायः उनका समाधान खोजने में लग जाता है, जबकि मुनिराज उन्हें समता और संयम के साथ सहन करते हैं। यही समभाव कर्मों के आश्रव और बंध को रोककर निर्जरा का कारण बनता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में आने वाली विषम परिस्थितियों में धैर्य, संयम और आत्मचिंतन का अभ्यास करना चाहिए। परिस्थितियों में विचलित होने के बजाय समभाव बनाए रखना आत्मकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रवचन के पश्चात श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष मुकेश जैन, महामंत्री नरेंद्र

जैन, कोषाध्यक्ष शिंभू जैन, प्रचार मंत्री उमंग जैन, चातुर्मास अध्यक्ष सुरेश जैन, नीनू जैन, सचिन जैन, विजय जैन, टोनी जैन, अनिल जैन और नरेंद्र जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भक्ति और संस्कारों की प्रतिमूर्ति प्रेम सखी माथुर का निधन

'प्रेम भजनावली' के माध्यम से भक्ति को दिए स्वर, जीवनभर प्रेम और सेवा का दिया संदेश

जोधपुर. शाबाश इंडिया। भक्ति, संस्कार और सेवाभाव के लिए जानी जाने वाली प्रेम सखी माथुर का 31 जुलाई को लंबी बीमारी के बाद 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से परिवार और परिचितों में शोक की लहर है। प्रेम सखी माथुर का जन्म स्व. बद्रीनारायण माथुर एवं अमर कौर के परिवार में हुआ था। उन्होंने जीवनभर स्नेह, संस्कार, श्रद्धा और भक्ति को सर्वोच्च स्थान दिया। वे परिवार की मुखिया होने के साथ सभी सदस्यों के लिए प्रेरणा और आस्था का केंद्र रहीं। उनके परिवार में पुत्र अनिल माथुर एवं पुत्री प्रभा राय हैं। उन्होंने परिवार को प्रेम और संस्कारों के सूत्र में बांधे रखा तथा अपने जीवन और आचरण से सेवा, सदाचार एवं पारिवारिक मूल्यों का संदेश दिया। प्रेम सखी माथुर की विशेष पहचान उनकी ईश्वर भक्ति और भजन-साधना थी। उन्हें भजन-कीर्तन से विशेष लगाव था और उनका जीवन प्रभु भक्ति को समर्पित रहा। उन्होंने अपने भजनों का संकलन ''प्रेम भजनावली'' के नाम से प्रकाशित कराया, जो उनकी आध्यात्मिक साधना और भक्ति भाव का प्रतीक है। उन्होंने अनेक भजनों की रिकॉर्डिंग कराकर कैसेट भी जारी किए, जिससे उनकी भक्ति रचनाएं अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचीं। विभिन्न मंचों पर संगीतकारों और वाद्यवृंद के साथ उनकी सजीव भजन प्रस्तुतियां भी होती रहीं। भक्ति रस से परिपूर्ण उनकी मधुर प्रस्तुतियों ने अनेक श्रोताओं को प्रभावित किया। परिजनों के अनुसार प्रेम सखी माथुर का जीवन इस संदेश को समर्पित रहा कि वास्तविक संपत्ति धन नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार, प्रेम, सेवा और ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा है। उनकी मधुर वाणी, स्नेह, सीख और भजन परिवार की स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे। परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

विश्व प्रसिद्ध गुणायतन के अधिष्ठाता बने बा. ब्र. अशोक भैया, अभय भैया को उप-अधिष्ठाता का दायित्व

त्याग, निष्ठा और समर्पण को देखते हुए गुरुदेव प्रमाणसागर महाराज ने की घोषणा, करतल ध्वनि से गूंजा पांडाल

इंदौर. शाबाश इंडिया। जैन समाज के विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक केंद्र गुणायतन के सुचारू संचालन के लिए इंदौर उदासीन आश्रम के बाल ब्रह्मचारी अशोक भैया को अधिष्ठाता एवं बाल ब्रह्मचारी अभय भैया को उप-अधिष्ठाता का दायित्व सौंपा गया है। गुणायतन प्रणेता मुनि प्रमाणसागर महाराज के सानिध्य एवं गुणायतन ट्रस्टियों की उपस्थिति में इसकी घोषणा की गई। घोषणा होते ही पूरा पांडाल करतल ध्वनि से गूंज उठा। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मुनि प्रमाणसागर महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रतिष्ठा के बाद भी गुणायतन को संभालने के लिए त्यागी प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। धर्म संस्थाएं त्याग और समर्पण से ही आगे बढ़ती हैं। अशोक भैया एवं अभय भैया का समर्पण, निष्ठा और सेवाभाव सर्वविदित है। दोनों यहां प्रतिनिधि के रूप में रहकर समाज को निरंतर संबल प्रदान करेंगे। घोषणा के बाद समाज के वरिष्ठजनों तथा महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने दोनों भैयाजी का अभिनंदन किया। इस अवसर पर इंदौर दिगम्बर जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. जैनेन्द्र जैन, महावीर ट्रस्ट अध्यक्ष अमित कासलीवाल, सामाजिक सांसद अध्यक्ष आनंद नवीन गोधा, हंसमुख गांधी, टी.के. वेद, आजाद जैन, अशोक खासगीवाला, मयंक जैन, फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका पुष्पा कासलीवाल, महिला परिषद की संभागीय अध्यक्ष मुक्ता जैन, रेखा जैन और साधना दगड़े सहित समाजजनों ने दोनों को बधाई दी। गुणायतन ट्रस्टियों ने कहा कि अशोक भैया एवं अभय भैया ने हमेशा निस्वार्थ भाव से गुणायतन के लिए कार्य किया है। दोनों की ओर से कभी व्यक्तिगत अपेक्षा नहीं रखी गई और उनका पूरा समर्पण संस्था के प्रति रहा है। उन्होंने बताया कि साधना वाटिका का शुभारंभ भी शीघ्र होने जा रहा है। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि नए दायित्व के साथ गुणायतन धर्म, संस्कार और स्वाध्याय के क्षेत्र में और अधिक गति से आगे बढ़ेगा।

सतीश काला के 75वें जन्मदिन पर 100 श्रद्धालुओं ने की तिजारा-अलवर तीर्थयात्रा

विधान पाठ के साथ किए स्वर्ण जैन मंदिर के दर्शन, साधु-साध्वियों से लिया मंगल आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। मालवीय नगर जैन समाज के करीब 100 श्रद्धालुओं ने बसों से तिजारा एवं अलवर की धार्मिक यात्रा कर विभिन्न जैन तीर्थ स्थलों के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने विधान पाठ, दर्शन एवं संतों का मंगल आशीर्वाद लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। किशोर कुमार ठोलिया ने बताया कि यात्रा का आयोजन सतीश काला के संयोजन में उनके 75वें जन्मदिन के अवसर पर किया गया। यात्रा को लेकर समाज के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्तिभाव रहा। तिजारा पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक विधान पाठ एवं पूजा-अर्चना की। इसके बाद यात्रा दल अलवर पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने प्रसिद्ध स्वर्ण जैन मंदिर के दर्शन किए। यात्रा के दौरान तिजारा एवं अलवर में विराजित जैन साधु-साध्वियों के दर्शन कर उनसे मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया गया। श्रद्धालुओं ने विभिन्न धार्मिक गतिविधियों में सहभागिता करते हुए धर्मलाभ अर्जित किया। यात्रा में श्रद्धा, भक्ति और आपसी सौहार्द का वातावरण बना रहा। मालवीय नगर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने सामूहिक तीर्थयात्रा को आध्यात्मिक आनंद और धर्म प्रभावना का प्रेरणादायी अवसर बताया।

बालाघाट, डोंगरगढ़ और रामटेक में तीर्थदर्शन, श्रद्धालुओं ने किया कलशाभिषेक व शांतिधारा

कुचामन सिटी के श्रद्धालुओं का दल छह दिवसीय धार्मिक यात्रा पर, संतों का लिया मंगल आशीर्वाद

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। सकल जैन समाज कुचामन सिटी के श्रावक-श्राविकाओं का दल छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के प्रमुख जैन तीर्थों की छह दिवसीय धार्मिक यात्रा पर है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु विभिन्न तीर्थों पर दर्शन, पूजन, कलशाभिषेक एवं शांतिधारा कर विश्व शांति, सुख-समृद्धि और मानव कल्याण की मंगलकामना कर रहे हैं। यात्रा के प्रथम चरण में श्रद्धालु बालाघाट पहुंचे, जहां उन्होंने आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि 108 विराटसागर महाराज एवं मुनि 108 निस्पृहसागर महाराज के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद आदिनाथ जिनालय में भगवान का कलशाभिषेक एवं शांतिधारा की गई। यात्रा दल चन्द्रोदय तीर्थ भी पहुंचा, जहां आचार्य विद्यासागर महाराज की शिष्या आर्यिका 105 तपोमती माताजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। श्रद्धालुओं ने आचार्य विद्यासागर महाराज के समाधि स्थल के दर्शन करने के साथ निमार्णाधीन भव्य त्रिकाल चौबीसी जिनालय का अवलोकन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित हस्तकरघा इकाई में निर्मित वस्त्रों की प्रदर्शनी भी देखी और स्वदेशी उत्पादों के अधिकाधिक उपयोग का संकल्प लिया। यात्रा के अगले पड़ाव रामटेक जैन तीर्थ में श्रद्धालुओं ने आर्यिका 105 आदर्शमती माताजी के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। यहां मूलनायक 17 फीट ऊंची खड्गासन भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा का श्रद्धापूर्वक कलशाभिषेक एवं शांतिधारा की गई। श्रद्धालुओं ने रामटेकगढ़ में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण के दर्शन भी किए। यात्रा में सुभाष पहाड़िया, मंजू पहाड़िया, विनोद, संगीता, अजीत पहाड़िया, राजकुमार सेठी, सुमित्रा सेठी, विनोद-उषा झांझरी, मनोज, ममता, प्रमोद एवं विनीता पांड्या सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हैं। श्रद्धालुओं ने प्राणीमात्र के सुख, समृद्धि, विश्व शांति, अमन-चैन एवं विश्व कल्याण की भावना से शांतिधारा कर मंगलकामना की।

ओजस्वी ग्रुप ने मनाया सावन उत्सव, गीतों की अंताक्षरी में सदस्यों ने बांधा समां

सावन के झूलों का लिया आनंद, करीब 60 सदस्यों ने निभाई सहभागिता

जयपुर. शाबाश इंडिया

ओजस्वी ग्रुप की ओर से अजमेर रोड स्थित स्वप्न लोक रिसॉर्ट में सावन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 60 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सावन के गीतों और झूलों का आनंद लिया। ग्रुप अध्यक्ष किरण झंझरी एवं सचिव विजया काला ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सावन के गीतों पर आधारित अंताक्षरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें सदस्यों ने नए और पुराने गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। गीत-संगीत के साथ सदस्यों ने सावन के पारंपरिक झूलों का भी आनंद लिया। कार्यक्रम में संयुक्त मंत्री नूपुर जैन, कोषाध्यक्ष संगीता जैन सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन को मनोरंजक एवं रोचक बनाने में सभी सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। अध्यक्ष किरण झंझरी एवं सचिव विजया काला ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

विनय ही धर्म का आभूषण, श्रेष्ठ व्यवहार से बनती है मनुष्य की पहचान: जिनदेवी माताजी

सेठी कॉलोनी जैन मंदिर में 44 दिवसीय कल्याणमंदिर दीपार्चना, 9 अगस्त को 12 घंटे होगा अखंड णमोकार मंत्र जाप

जयपुर. शाबाश इंडिया। सेठी कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी प्रमुख आर्यिका 105 जिनदेवी माताजी ससंघ के सानिध्य में चल रही 44 दिवसीय श्री कल्याणमंदिर दीपार्चना के तहत मंगलवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी, महामंत्री धर्मीचंद कासलीवाल एवं कोषाध्यक्ष राकेश मुशरफ ने बताया कि अभिषेक के बाद संगीतमय दीपार्चना हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किया। धर्मसभा में जिनदेवी माताजी ने कहा कि मनुष्य की वास्तविक पहचान उसके नाम, धन, पद या बाहरी स्वरूप से नहीं, बल्कि व्यवहार से होती है। मधुर वाणी, विनम्रता, करुणा, क्षमा और सम्मानपूर्ण व्यवहार व्यक्ति को सबके हृदय में स्थान दिलाते हैं। उन्होंने कहा, ''विनय ही धर्म का आभूषण है। श्रेष्ठ व्यवहार, संस्कार और सदाचार ही मनुष्य की सच्ची पहचान हैं।'' राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि धर्मसभा से पूर्व चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद-प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट की गई। इस अवसर पर सुनील सेठी, नीतू मुशरफ और शिल्पा पहाड़िया सहित समाजजन उपस्थित रहे। अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी ने बताया कि 9 अगस्त को सुबह 6 से शाम 6 बजे तक अखंड णमोकार मंत्र जाप होगा।

हिंदू सेवा मंच की नई कार्यकारिणी गठित, दिनेश अग्रवाल अध्यक्ष

2026-27 के लिए पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा

जयपुर. शाबाश इंडिया। हिंदू सेवा मंच के संरक्षक कालीचरण सर्राफ की अनुमति से अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया है। कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति के साथ 12 सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। नई कार्यकारिणी में दिनेश अग्रवाल को अध्यक्ष, प्रदीप खुराना एवं डॉ. संजीव कुमार सिंघल को उपाध्यक्ष बनाया गया है। राजकुलदीप सिंह एवं एस.के. भट्ट को महामंत्री तथा पं. तारा चंद्र शर्मा को मंत्री का दायित्व सौंपा गया है। प्रकाश मेडतवाल एवं पारीतोष शर्मा को संयुक्त मंत्री, सुरेंद्र नरानिया को संगठन मंत्री और योगेश राज कुमावत को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। कार्यकारिणी सदस्यों में संत कुमार शर्मा, चंद्रभान गिरी, नवीन गोदिका, दिनेश चंद्र कुमावत, नरेंद्र शर्मा, रमेश शर्मा, श्रीराम पुरुषवानी, डी.डी. गर्ग, अजय लुहाड़िया, विमल सक्सेना, पूनम तिलक और ज्योति यादव को शामिल किया गया है। मंच की नई कार्यकारिणी वर्ष 2026-27 के दौरान संगठन की गतिविधियों एवं विभिन्न सामाजिक कार्यों का संचालन करेगी।

शक्ति नगर में आचार्य अतिवीर मुनिराज के चातुर्मास कलश की स्थापना

13 वर्षों बाद शक्ति नगर को मिला चातुर्मास, पिच्छिका परिवर्तन के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने लिया मंगल आशीर्वाद

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। प्रशममूर्ति आचार्य 108 शांतिसागर महाराज (छाणी) परम्परा के प्रमुख संत आचार्य 108 अतिवीर मुनिराज के 21वें मंगल चातुर्मास 2026 के उपलक्ष्य में शक्ति नगर जैन समाज की ओर से भव्य चातुर्मास कलश स्थापना समारोह आयोजित किया गया। जी.टी. करनाल रोड स्थित रजवाड़ा पैलेस में 2 अगस्त को आयोजित समारोह में दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। समारोह में ध्वजारोहण, मंगलाचरण, चित्र अनावरण, जिनवाणी विराजमान, दीप प्रज्वलन, शास्त्र भेंट एवं पाद-प्रक्षालन सहित विभिन्न मांगलिक क्रियाएं डॉ. अरविंद जैन शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुईं। इस दौरान समाज की महिलाओं एवं बालिकाओं ने प्रेरक और मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गुरुभक्तों ने अष्टद्रव्य से सुसज्जित थाल के साथ आचार्यश्री की विशेष पूजा-अर्चना की। सौभाग्यशाली परिवारों ने मुख्य मंगल कलश सहित अन्य विशिष्ट चातुर्मास कलश स्थापित किए। समारोह के दौरान आचार्य अतिवीर मुनिराज का पिच्छिका परिवर्तन भी संपन्न हुआ। गुरु भक्तों ने आचार्यश्री के कर-कमलों में नवीन मयूर पिच्छिका भेंट की। उनकी पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य अशोक विहार फेज-1 निवासी रवि जैन ''खिलौने वाले'' सपरिवार को प्राप्त हुआ। विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि चातुर्मास बाह्य यात्रा को विराम देकर अंतरंग यात्रा को गति प्रदान करने का स्वर्णिम अवसर है। यह जीवन को सन्मार्ग की ओर ले जाने का माध्यम है और इसका समय श्रमण एवं श्रावक दोनों के लिए उपयोगी होता है। उन्होंने कहा कि संत अपनी चर्या समयानुसार करते रहेंगे, लेकिन श्रावकों को भी इस अवसर का लाभ उठाने के लिए घर से निकलकर संतों की चरण-सन्निधि में आना होगा। शक्ति नगर की पावन धरा पर यह चातुर्मास केवल धार्मिक आयोजन न रहकर आध्यात्मिक जागरण, आत्मशुद्धि और धर्मप्रभावना का विराट महोत्सव बने, इसके लिए सभी नगरवासियों को प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सीए विवेक जैन (चांदनी चौक) ने किया। राम कुमार एंड पार्टी, भोपाल ने संगीतमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। समारोह में अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के गणमान्यजनों ने पहुंचकर आचार्यश्री का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि 13 वर्षों बाद आचार्य अतिवीर मुनिराज ने पुनः शक्ति नगर जैन समाज को चातुर्मास प्रदान किया है। समारोह में दिल्ली की विभिन्न कॉलोनियों के साथ गाजियाबाद, फरीदाबाद, सोनीपत, बागपत, बड़ौत, खेकड़ा, तिजारा, रेवाड़ी, गुरुग्राम, मेरठ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और इंदिरापुरम सहित विभिन्न स्थानों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री के चरणों में श्रीफल अर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुनि विश्वविजयसागर महाराज के नवम वर्षायोग की कलश स्थापना, 61 पवित्र कलश स्थापित

पारस विहार में उमड़ा जैन समाज, मंत्रोच्चार के बीच सम्यक दर्शन, ज्ञान और चारित्र कलश की स्थापना

जयपुर. शाबाश इंडिया। गणधराचार्य 108 विरागसागर महाराज एवं पट्टाचार्य 108 विशुद्धसागर महाराज के परम प्रभावी शिष्य मुनि 108 विश्वविजयसागर महाराज के नवम पावन वर्षायोग का कलश स्थापना समारोह चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, पारस विहार, मुहाना मंडी में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। समारोह में जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में गुरुभक्त शामिल हुए। अध्यक्ष पवन जैन गोदिका ने बताया कि प्रतिष्ठाचार्य सुरेंद्र कुमार सलूम्बर वालों के निर्देशन एवं मंत्रोच्चार के बीच संपूर्ण कार्यक्रम सुव्यवस्थित और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया कि मंगलाचरण आध्या एवं नव्या जैन ने किया। कार्यक्रम में ध्वजारोहण का सौभाग्य जवाहर नगर निवासी शेखर-सीमा जैन द्रोण को मिला। चित्र अनावरण सेवानिवृत्त आईपीएस वीरेंद्र गोदिका एवं सेवानिवृत्त प्रोफेसर इंद्रप्रभ जैन ने किया, जबकि दीप प्रज्वलन पारस जैन नगर फोर्ट, टोंक ने किया। उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गोदिका ने बताया कि प्रथम ''सम्यक दर्शन कलश'' की स्थापना राजेंद्र कुमार-रानी देवी एवं दिव्यांश जैन परिवार, मुरैना ने की। द्वितीय ''सम्यक ज्ञान कलश' का सौभाग्य वीरेंद्र कुमार-मधु, पुनीत, सूर्या, पार्श्व एवं शिव्या सेठी परिवार, ब्यावर को मिला। तृतीय ''सम्यक चारित्र कलश'' ज्ञानचंद, आशीष एवं अंकित सोगानी परिवार, सांगानेर ने स्थापित किया। मुनिश्री का पाद-प्रक्षालन महेंद्र-उषा, राहुल-कीर्ति, आर्जव एवं आराध्य भोंच परिवार, बस्सी ने किया। शास्त्र भेंट का सौभाग्य मालवीय नगर निवासी अशोक-चंदनबाला बड़जात्या को प्राप्त हुआ। कोषाध्यक्ष वीरेंद्र सेठी ने बताया कि समारोह में कुल 61 पवित्र कलशों की स्थापना का पुण्यार्जन समाज के विभिन्न परिवारों ने किया। प्रचार संयोजक राकेश गोदिका ने बताया कि मुनिश्री के मंगल विचारों ने धर्मसभा को भाव-विभोर कर दिया। आयोजन में सकल जैन समाज के पदाधिकारियों, मातृशक्ति, कार्यकताओं एवं गुरुभक्तों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।

राष्ट्रीय एकता पर्व में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद का शानदार प्रदर्शन

चार प्रतियोगिताओं में प्रथम, क्षेत्रीय स्तर के लिए चयन; 11-12 अगस्त को जयपुर में करेगा संकुल का प्रतिनिधित्व

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 अजमेर मे आयोजित संकुल स्तरीय राष्ट्रीय एकता पर्व प्रतियोगिता में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय का दल अब क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में संकुल का प्रतिनिधित्व करेगा। प्रतियोगिता में विद्यालय ने समूह नृत्य, समूह गायन, लोक वाद्यवृंद और लोक नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कहानी वाचन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल किया। विद्यालय के करीब 40 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। राष्ट्रीय एकता पर्व के तहत केंद्रीय विद्यालय संगठन जयपुर संभाग को मिजोरम एवं त्रिपुरा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी दी गई थी। विद्यार्थियों ने दोनों राज्यों की लोक संस्कृति, लोकनृत्य, लोकसंगीत, पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक परंपराओं का जीवंत मंचन कर निर्णायकों एवं दर्शकों की सराहना हासिल की। इस उपलब्धि के बाद विद्यालय का दल 11 एवं 12 अगस्त को केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2, जयपुर में आयोजित क्षेत्रीय स्तरीय राष्ट्रीय एकता पर्व प्रतियोगिता में भाग लेगा। विद्यालय प्रशासन ने इस सफलता का श्रेय संगीत शिक्षिका ओम ज्योति के मार्गदर्शन, विद्यार्थियों के सतत अभ्यास और समर्पित प्रयासों को दिया।

चातुर्मास हमारे लिए आत्मसाधना का अवसर: आचार्य पुलकसागर महाराज

सूर्यमहल में दिया धर्म संदेश, चित्रकूटधाम में 15 अगस्त से सर्व समाज के लिए ज्ञान गंगा महोत्सव

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, मेन सेक्टर शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पुलकसागर महाराज ससंघ के चातुर्मासिक मंगल कलश विराजित होने के बाद सूर्यमहल में धर्म साधना प्रारंभ हो गई है। आचार्य पुलकसागर महाराज ने धर्मसभा में कहा कि चातुर्मास हमारे लिए आत्मसाधना का अवसर है। इस दौरान हमारा लक्ष्य गुरु चरणों में समर्पित होकर साधना करते हुए अपने गुणस्थान को ऊपर उठाना होना चाहिए। यही साधना जीवन के अंत में मोक्षमार्ग की ओर ले जाकर एक दिन मोक्ष के अनंत सुख की प्राप्ति करा सकती है। समर्पण भाव के बिना साधना का वास्तविक सुख प्राप्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जिसका मन संयम और साधना में लग जाता है, उसे सांसारिक कार्यों में आनंद नहीं आता। हमारे भाव पावन और निर्मल होंगे तो गुणस्थान ऊपर उठेगा, लेकिन भाव मोह, कषाय, राग और द्वेष में लीन रहे तो गुणस्थान का पतन होकर दुर्गति हो सकती है। आचार्यश्री ने कहा कि लोग प्रवचन सुनने तो आते हैं, लेकिन उन्हें आत्मसात करने का पूरा प्रयास नहीं करते। जो जिनवाणी को जीवन में आत्मसात कर लेता है, उसका वर्तमान और आने वाला भव भी सुधर सकता है। इसलिए चातुर्मास में परमात्मा के संदेश को सुनने का अवसर नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त से चित्रकूटधाम में आयोजित ''ज्ञान गंगा महोत्सव'' में भीलवाड़ावासियों को ऐसी बातें सुनने को मिलेंगी, जो जीवन जीने का आनंद देने के साथ समस्याओं के समाधान की दिशा भी दिखाएंगी। श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि दीप प्रज्वलन एवं पाद-प्रक्षालन का सौभाग्य केसरकुंज निवासी नेमीचंद, निर्मलकुमार एवं अर्पित गोधा परिवार को मिला। धर्मसभा में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं पहुंचे। सूर्यमहल में प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10 बजे तक आचार्यश्री के प्रवचन तथा शाम 7 से 8 बजे तक आनंद यात्रा आयोजित की जा रही है।